Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In Apr 2017

जीजेयू के हॉस्टल्स में लगेंगे सोलर वाटर हिटिंग सिस्टम

काम हुआ शुरू, विद्यार्थियों को गर्म पानी की मिलेगी सुविधा

अमर उजाला ब्यूरो
हिसार।

जीजेयू में सौर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद अब सोलर वाटर हिटिंग सिस्टम भी लगाया जा रहा है। इन सिस्टम को लगाने की शुरुआत पिछले साल बनाए गए नए ब्वॉयज हॉस्टल नंबर चार और गर्ल्स हॉस्टल नंबर चार से की गई है। हालांकि गर्मियां शुरू होने के बाद इन सिस्टम को लगाए जाने को लेकर विद्यार्थी अधिकारियों के रवैये पर सवाल उठा रहे हैं, लेकिन विश्वविद्यालय द्वारा फंड एवं कागजी कार्यवाही के कारण इन सिस्टम को अब लगाने का हवाला दिया जा रहा है। हरेडा के तकनीकी सहयोग से लग रहे इन सिस्टम से विद्यार्थियों को गर्म पानी तो मिलेगा, साथ ही पानी गर्म करने में विश्वविद्यालय की खर्च होने वाली बिजली की भी बड़ी बचत होगी। इन दोनों हॉस्टल्स के बाद भविष्य में अन्य हॉस्टल्स में भी ये सोलर वाटर हिटिंग सिस्टम लगाए जाएंगे।

इस महीने पूरा हो जाएगा सौर ऊर्जा संयंत्र का काम

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में पिछले महीने ही सौर ऊर्जा संयंत्र लगाना शुरू किया गया था। कंपनी के कर्मचारी विश्वविद्यालय की 10 बिल्डिंग्स में यह संयंत्र लगा रहे हैं। इस संयंत्र से विश्वविद्यालय को 40 लाख रुपये सालाना बचत की उम्मीद है। इस संयंत्र का कार्य इसी महीने पूरा कर लिया जाएगा।

प्रतिदिन आठ हजार लीटर पानी गर्म होगा एक सिस्टम से : प्रत्येक हॉस्टल में लगने वाला सौर ऊर्जा संचालित वाटर हिटिंग सिस्टम प्रतिदिन आठ हजार लीटर पानी गर्म करेगा।

सर्दियों में अगर धूप ठीक-ठाक रही तो यह एक घंटे में ही पानी गर्म कर देगा। प्रत्येक सिस्टम में 80 प्लेट लगेंगी। प्रत्येक प्लेट अपने अंदर समाहित 100 लीटर पानी गर्म करेगी। वहीं पानी के स्टॉक के लिए एक-एक हजार के वाटर टैंक बनाए गए हैं।

प्रारंभिक चरण में नए बने गर्ल्स हॉस्टल चार और ब्वॉयज हॉस्टल नंबर चार में सोलर वाटर हिटिंग सिस्टम लगाए जा रहे हैं। इसके बाद अगले चरण में अन्य हॉस्टल में ये सिस्टम लगाए जाएंगे। इससे हॉस्टल में बिजली की बड़ी बचत होगी।

– रघुबीर सिंह, एक्सईएन, जन स्वास्थ्य विभाग, जीजेयू हिसार

अमर उजाला - 5/4/2017

शैक्षणिक योग्यता से व्यवहारिक ज्ञान अधिक महत्वपूर्ण–टंकेश्वर

हिसार, 6 अप्रैल (निस) : गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों को रोजगार पाने के लिए शैक्षणिक योग्यता से व्यवहारिक ज्ञान अधिक महत्वपूर्ण है। प्रो. टंकेश्वर कुमार विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमैंट सैल के सौजन्य से विद्यार्थियों के लिए शुरू किए गए नियमित व्यक्तिगत विकास कार्यक्रम (उद्भावना) भाग-2 के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। एलुमनाई रिलेशंस के अधिष्ठाता प्रो. एम.एस. तुरान ने कहा कि तकनीकी दौर के चलते रोजगार पाने हेतु विद्यार्थियों में वास्तविक ज्ञान का होना बहुत आवश्यक है। कौशल विकास हेतु सामूहिक बातचीत व मोक साक्षात्कार आदि पर विद्यार्थियों को अधिक जोर देना चाहिए। प्रशिक्षण एवं प्लेसमैंट सैल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम चार सप्ताह तक चलेगा। प्रत्येक सप्ताह में तीन दिन कक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। बीटैक के पहले और दूसरे वर्ष के विद्यार्थियों के लिए कक्षाएं 4.30 बजे से 5.30 लगेंगी। पहले सप्ताह में छात्रों को संचार कौशल, दूसरे सप्ताह में छात्रों को समूह चर्चा, तीसरे सप्ताह में छात्रों की अभिवृत्ति परीक्षण और चौथे सप्ताह में छात्रों को व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उद्भावना भाग-1 में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

गुजवि उपलब्ध कराएगा ट्विटर पर जानकारियां

हिसार, 6 अप्रैल (निस) : गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार से सम्बंधित नवीनतम जानकारियां अब ट्विटर पर भी उपलब्ध होंगी। विश्वविद्यालय द्वारा ऑफिशियल ट्विटर पेज शुरू किया गया है। ट्विटर पेज @gjuhsr का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। ट्विटर पेज का संचालन विश्वविद्यालय के कंप्यूटर एवं सूचना केन्द्र द्वारा किया जाएगा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि ट्विटर हमें शैक्षणिक और अनुसंधान सेटिंग से संचार और सीखने के उपकरण के रूप में प्रयोग करना चाहिए। बड़े व्याख्यान पाठयक्रमों में छात्रों के इंटरेक्शन को बढ़ावा देने के लिए बैकचैनल के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के ट्विटर पेज से कर्मचारियों, विद्यार्थियों, अभिभावकों व अन्य को विश्वविद्यालय से सम्बन्धित ऑनलाइन समाचार व सोशल नेटविर्कंग सेवा के साथ जोड़ा जाएगा। विश्वविद्यालय के कंप्यूटर और सूचना केन्द्र के प्रमुख मुकेश कुमार ने बताया कि ट्विटर पेज में विश्वविद्यालय से सम्बन्धित समाचार व अन्य बैठकों से सम्बन्धित पूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी। विद्यार्थियों से सम्बन्धित सभी प्रकार के नोटिस व अन्य महत्वपूर्ण सूचना भी ट्विटर पेज पर उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी, पुस्तकालयाध्यक्ष डा. विनोद कुमार, परीक्षा नियंत्रक यशपाल सिंह, कुलपति के सचिव मुकेश कुमार, उप कुलसचिव बलबीर सिंह, प्रोग्रामर कुलदीप सिंह, दर्पण सिंह, भारत भूषण शर्मा, हरीश चावला, नवीन व सुनीता उपस्थित थे।

पाठकपक्ष - 6/4/17

सरकारी नौकरियां कम इसलिए ई-कॉमर्स से रोजगार शुरू करें

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से ट्रांसफोर्मिंग आइडिया इन टू स्टार्टअप विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आइक्यूएसी के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। नारा टेक्नोलॉजी बेंगलुरु के निदेशक रोहित नारा कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। हारट्रोन हरियाणा से वरिष्ठ इंजीनियर संजीव कालिया व सतीश नांदल बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने स्वागत प्रस्तुत किया।

प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि भारतीय युवा शक्ति तकनीकी शिक्षा की तरफ अपने कदम बढ़ा रही है। देश के सरकारी विभागों में नौकरियां सीमित हैं इसलिए विद्यार्थियों को देश की उन्नति व विकास को ध्यान में रखकर स्वावलंबी बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि ई-कॉमर्स के माध्यम से विद्यार्थी अपना स्वयं रोजगार शुरू कर सकता है।

हारट्रोन इंजीनियर ने कहा कि विद्यार्थियों को स्वयं रोजगार हेतु प्रोत्साहित करने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा गुरुग्राम में इनोवेशन सेंटर स्थापित किया गया है। हरियाणा सरकार द्वारा इनोवेशन सेंटर का संचालन हारट्रोन के सहयोग से किया जा रहा है। नारा ने कहा कि विकसित भारत देश में पानी की समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। पानी का उचित प्रयोग की बजाय दुरुपयोग हो रहा है। उन्होंने बताया कि नारा टेक्नोलॉजी द्वारा एक मोबाइल एप बनाया गया है जो पानी की बचत में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। मोबाइल एप सेंसर के माध्यम से कार्य कर रहा है। एप हमें पानी सप्लाई के आवागमन तथा टैंक में पानी की मात्रा का पूर्ण विवरण अलार्म के माध्यम से बताता है।

दैनिक जागरण- 7/5/17

विद्यार्थी स्वरोजगार की ओर बढ़े : नीरज

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय हिसार के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के तत्वाधान में 'ट्रांसफोर्मिंग आइडिया इंटू स्ट्राट-अप' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने इस कार्यशाला में मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। दिलबागी ने कहा कि भारतीय युवा शक्ति तकनीकी शिक्षा की तरफ अपने कदम बढ़ा रही है।

देश के सरकारी विभागों में नौकरियां सीमित हैं, इसलिए विद्यार्थियों को देश की उन्नति व विकास को ध्यान में रखकर स्वाबलम्बी बनना चाहिए।

हरिभूमि- 7/5/17

सरकारी नौकरी कम, स्वावलंबी बनें छात्र : दिलबागी

हिसार (ब्यूरो)। जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से 'ट्रांसफोमिंग आइडिया इंटू स्टार्ट अप' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सहायक निदेशक आदित्य वीर सिंह ने स्वागत प्रस्तुत किया। वक्ताओं ने कहा कि देश के सरकारी विभागों में नौकरियां सीमित हैं, इसलिए विद्यार्थियों को देश की उन्नति, विकास को ध्यान में रख स्वावलंबी बनना चाहिए। हारट्रोन, हरियाणा से वरिष्ठ इंजीनियर संजीव कालिया व सतीश नांदल ने कहा कि विद्यार्थियों को स्वयं रोजगार हेतु प्रोत्साहित करने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा गुरुग्राम में इनोवेशन सेंटर स्थापित किया गया है। मुख्य वक्ता नारा टेक्नोलॉजी के निदेशक रोहित नारा ने कहा कि नारा टेक्नोलॉजी द्वारा एक मोबाइल एप बनाया गया है।

जीजेयू में 'ट्रांसफॉर्मिंग आइडिया इंटू स्टार्ट-अप' विषय पर कार्यशाला

हिसार | जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के सौजन्य से 'ट्रांसफॉर्मिंग आइडिया इंटू स्टार्ट-अप' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। नारा टेक्नोलॉजी, बैंगलोर के निदेशक रोहित नारा कार्यशाला में मुख्य वक्ता और जीजेयू प्रो. नीरज दिलबागी मुख्यातिथि थे। इंजीनियर संजीव कालिया व सतीश नांदल ने कार्यशाला में विद्यार्थियों को स्वयं रोजगार के लिए प्रोत्साहित करने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा गुरुग्राम में इनोवेशन सेंटर स्थापित किया गया है।

दैनिक भास्कर- 7/5/17

र उजाला- 7/5/17

महिलाओं की तेजी से बदल रही है भूमिका : बंसल

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए प्रो. हरभजन बंसल।

हिसार, 7 अप्रैल (का.प्र.): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. हरभजन बंसल ने कहा कि वर्तमान दौर महिला सशक्तिकरण का दौर है। महिला सशक्तिकरण के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है।

महिलाओं की समाज में तेजी से बदलती भूमिका को गहराई से महसूस किया जा रहा है। प्रो. हरभजन बंसल विवि की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गर्ल राइजिंग इंडिया, न्यू दिल्ली के सहयोग से 'जैंडर सेंसिटाइजेशन' विषय पर शुरू हुई 2 दिवसीय कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर गर्ल राइजिंग इंडिया, न्यू दिल्ली की निदेशक निधी दूबे ने विशिष्ठातिथि के रूप में शिरकत की।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की समन्वयक प्रो. सुजाता सांघी कार्यक्रम को-आर्डिनेटर हैं। गर्ल राइजिंग इंडिया, न्यू दिल्ली की निदेशक निधी दूबे ने कहा कि लड़कों के साथ-साथ लड़कियों का शिक्षित होना बहुत आवश्यक है, क्योंकि शिक्षित वर्ग ही समाज व देश में परिवर्तन ला सकता है। गुजविप्रौवि की डा. सुमन दहिया ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डा. अनिल कुमार, डा. कश्मीरी लाल तथा डा. विजेन्द्र सैनी सहित अन्य शिक्षकगण व छात्र उपस्थित थे।

धर्म व मीडिया का उद्देश्य जन कल्याण : प्रो. दयाल

हिसार, 7 अप्रैल (का.प्र.): गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के मीडिया अध्ययन संकाय के प्रो. मनोज दयाल ने कहा कि यदि व्यक्ति धर्म और कर्म का सही पालन करने लगे तो समाज से सभी कुरीतियां अपने आप ही दूर हो जाएंगी। जिस प्रकार धर्म और कर्म का गहरा रिश्ता है उसी प्रकार मीडिया और धर्म भी एक दूसरे से जुड़े हैं। प्रो. मनोज दयाल विवि धार्मिक अध्ययन संस्थान के शोधार्थियों को विस्तार व्याख्यान दे रहे थे। संस्थान अध्यक्ष डा. किशना राम तथा डा. वन्दना पूनिया भी इस अवसर पर उपस्थित थे। प्रो. दयाल ने कहा कि धर्म उपदेशक तथा मीडिया कर्मी दोनों ही समाज में बड़ा बदलाव लाने में सक्षम है। उन्होंने वैराग्य तथा मोक्ष के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जगत से भागना वैराग्य या मोक्ष नहीं है बल्कि जगत में रहकर धर्मानुसार जीवन व्यतीत करना व्यक्ति को धर्मात्मा व त्यागी बनाता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हर धर्म का उद्देश्य जन कल्याण है उसी प्रकार मीडिया का उद्देश्य भी जन कल्याण है। उन्होंने गीता में निहित मूल भावना के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा धर्म व मीडिया के क्षेत्र में शोध की सम्भावनाओं पर भी प्रकाश डाला।

शोधार्थियों को व्याख्यान देते प्रो. मनोज दयाल।

पंजाब केसरी हिसार- 8/4/17

'वर्तमान दौर महिला सशक्तीकरण का'

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. हरभजन बंसल ने कहा कि वर्तमान दौर महिला सशक्तीकरण का दौर है। महिला सशक्तीकरण के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। महिलाओं की समाज में तेजी से बदलती भूमिका को गहराई से महसूस किया जा रहा है।

प्रो. हरभजन बंसल शुक्रवार को विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गर्ल राइजिंग इंडिया, न्यू दिल्ली के सहयोग से जेंडर सेंसिटाइजेशन विषय पर शुरू हुई दो दिवसीय कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान गर्ल राइजिंग इंडिया, न्यू दिल्ली की निदेशक निधी दूबे ने विशिष्ठ अतिथि के रूप में शिरकत की। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की समन्वयक प्रो. सुजाता सांघी कार्यक्रम कोर्डिनेटर हैं। गर्ल राइजिंग इंडिया, न्यू दिल्ली की निदेशक निधी दूबे ने कहा कि लड़कों के साथ-साथ लड़कियों का शिक्षित होना बहुत आवश्यक है।

दैनिक जागरण- 8/

पीसीआई का फैसला | अब देशभर में एक जैसा होगा बी-फार्मा और एम फार्मा का सिलेबस

जीजेयू में फार्मेसी की डिग्री पाने के लिए 50 प्रतिशत अंक लेना जरूरी

पवन सिरोवा | हिसार

देशभर के फार्मेसी डिग्री के विश्वविद्यालय और कॉलेजों में साल 2017-18 में फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) का अपना सिलेबस लागू होगा। वह भी सख्त नियमों के साथ। अब नए सिलेबस और नियमों के तहत फार्मेसी में डिग्री करने वाले डिग्रीधारकों का ही पीसीआई पंजीकरण करेगी। जुलाई 2017 से जीजेयू ने बी-फार्मा और एम-फार्मा में पीसीआई का सिलेबस लागू करने की तैयारी शुरू कर दी है। विभाग ने नए नियम व सिलेबस को हरी झंडी दे दी है। आगामी समय में यह रिपोर्ट जीजेयू की बोर्ड ऑफ स्टडी एंड रीसर्च की कमेटी में रखा जाएगी। उसकी अनुमति के बाद जुलाई 2017 से फार्मेसी में कक्षाओं में नया सिलेबस पढ़ाया जाएगा। वहीं देश के बेस्ट फार्मेसी के विभागों में जीजेयू ने 44वां रैंक हासिल किया है।

जीजेयू के फार्मेसी विभाग ने हासिल किया था 44वां रैंक

नए नियम के तहत पास होने के लिए 50 प्रतिशत अंक होंगे अनिवार्य

जीजेयू के फार्मेसी विभाग में पास होने के लिए अब विद्यार्थियों को 40 प्रतिशत के स्थान पर 10 प्रतिशत अधिक यानि 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने अनिवार्य हो गया है। हाजिरी 85 प्रतिशत और मार्कशीट पर अंक दर्शाने अनिवार्य होंगे, अकेला ग्रेड मान्य नहीं होगा। इसके अलावा सिलेबस परिवर्तन के साथ ही उसमें बढ़ोतरी हुई है। सिलेबस पीसीआई के निमयानुसार ही पाठ्यक्रम तय होगा। उसमें यूनिवर्सिटी कोई परिवर्तन नहीं कर सकेगी। इसके अलावा प्रथम वर्ष में पास होने वाले विद्यार्थी ही अब तीसरे साल में दाखिला ले पाएंगे।

प्रैक्टिकल को दी गई तवज्जो

बी-फार्मा में पहले जहां पढ़ाई के साथ फील्ड में प्रैक्टिकल प्रशिक्षण नहीं हो पाता था। अब एक सेमेस्टर फील्ड में प्रैक्टिकल का होगा। जिसमें अस्पताल या इंडस्ट्री में विद्यार्थी को एक सेमेस्टर प्रैक्टिकल ट्रेनिंग अनिवार्य होगी। थ्योरी में भी हर दो साल बाद विशेषज्ञ की टीम सिलेबस में समय की मांग के अनुसार परिवर्तन करेगी, ताकि बदलते दौर व समय की मांग के साथ विद्यार्थी अपने आप में भी परिवर्तन ला सके और नए परिवर्तन के बारे में सीख सके।

पहले और अब में ये बदलाव

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के तहत नए पाठ्यक्रम शुरू करने और तकनीकी संस्थाओं में प्रवेश-क्षमता में फेरबदल करने के लिए अनुमोदन देती है। इसके तहत जीजेयू में 80 प्रतिशत सिलेबस तो पीसीआई के अनुसार था जबकि 20 प्रतिशत स्वयं की टीम के अनुसार तय था। 80 प्रतिशत में भी सिलेबस अलग अलग सेमेस्टर में आगे पीछे किया हुआ था। लेकिन अब पीसीआई के तहत उनके नियमानुसार ही सिलेबस सेट करना होगा। उसमें कोई परिवर्तन मान्य नहीं होगा।

एनआईआरएफ में जीजेयू की 44वीं रैंक

नेशनल इंस्टीट्यूशन्स रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2017 के तहत जीजेयू के फार्मेसी विभाग को देश में 44वीं रैंकिंग हासिल हुई है। पहली बार आंकड़ों के साथ जीजेयू ने रैंकिंग के लिए अपना दावा किया। हालांकि गत वर्ष भी जीजेयू ने रैंकिंग के लिये दावेदारी पेश की थी लेकिन डाटा दुरुस्त न देने के कारण रैंकिंग से बाहर हो गए थे। अब एमडीयू रोहतक के 28 स्थान के बाद हरियाणा की जीजेयू यूनिवर्सिटी दे 44 वां रैंक हासिल कर प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया है।

विद्यार्थियों को यह होगी सुविधा

- पंजीकरण में नहीं आएगी समस्या।
- प्रैक्टिकल से धरातल के सच से होंगे रूबरू।
- देश की किसी भी यूनिवर्सिटी एडमिशन ट्रांसफर करवाने से सिलेबस के कारण पढ़ाई पर असर नहीं पड़ेगा।
- विद्यार्थियों के ज्ञान का मूल्यांकन करना होगा आसान।
- अंक प्राप्ति व पास होने का एक ही होगा मापदंड।
- यूनिवर्सिटी व कॉलेजों के मूल्यांकन में होगी आसानी।

बोर्ड से अनुमति बाकी

एआईसीटीई के अनुसार जीजेयू में सिलेबस को पढ़ाया जा रहा था। अब पीसीआई ने सख्त आदेश जारी दिए हैं। जिसके तहत अब फार्मेसी की डिग्री में देश भर के शिक्षण संस्थानों में एक ही सिलेबस होगा। जीजेयू में जुलाई 2017 से लागू होगा। इसके लिए विभाग ने अनुमति दे दी है, अब बोर्ड ऑफ स्टडीं एंड रिसर्च से अनुमति बाकी है।" डॉ. एसके सिंह, विभागाध्यक्ष, फार्मेसी विभाग जीजेयू।

दैनिक भास्कर- 10/4/17

सशक्तिकरण का मूलमंत्र शिक्षाः अनिल पुंडीर

हरिभूमि न्यूज. हिसार

शिक्षा से आर्थिक सशक्तिकरण होगा, आर्थिक सशक्तिकरण से समाज सशक्त होता है। ऐसे में सशक्तिकरण

■ डॉ.अम्बेडकर ने अंतिम सांस तक संघर्ष किया

का मूल मंत्र शिक्षा है और यही बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की मूल शिक्षा है। गुजवि में कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर संविधान निर्माता डा. भीमराव अम्बेडकर की 126वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित संगोष्ठी पर यह बात कही। डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा है कि वैदिक युग से पहले या इसके आस-पास जाति व धर्म का कोई वर्गीकरण नहीं था। जाति प्रथा की बुराई बाद में आई है। जब-जब बुराइयां बढ़ी हैं, समाज में महापुरुषों ने जन्म लिया है।

युग पुरूष जो पैदा हुए हैं, उनको किसी एक वर्ग से नहीं जोड़ना चाहिए। डा. भीमराव अम्बेडकर ने अंतिम सांस तक संघर्ष किया। संसाधनों की उपलब्धता न होने पर भी उन्होंने विदेशों में शिक्षा ग्रहण की। यह उनके संघर्ष को दर्शाता है। डा. भीमराव अम्बेडकर की कोशिश रही कि पहले व्यक्ति को स्वयं शिक्षित होना चाहिए तथा इसके बाद समाज को शिक्षित करना चाहिए। प्रो.

हिसार। गुजवि में डा. अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्पा अर्पित करते कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर। फोटोः हरिभूमि

हरभजन बंसल ने कहा कि जब समाज में कुरीतियां आती हैं, साधारण आदमी संघर्ष करता है। यही संघर्ष साधारण आदमी को महान बना देता है। डा. भीमराव अम्बेडकर ने असमानता को महसूस किया, संघर्ष किया तथा ज्ञान को हथियार बनाया और युग पुरूष कहलाए। प्रो. कर्मपाल नरवाल ने कहा कि डा. भीमराव अम्बेडकर समानता के सिद्धांत के समर्थक थे। उन्होंने जीवन में संघर्ष किया।

उन्हें कामयाबी मिली तथा मिलती जा रही है। मनदेव ने कहा डा. भीमराव अम्बेडकर के विचारों का आकलन करना आज के समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम एक राष्ट्र बने नहीं, बल्कि बनने की प्रक्रिया में हैं। अम्बेडकर ने महिलाओं को बराबर के अधिकार रखने पर कार्य किया। महिला राजनीति का श्रेय डॉ. भीमराव अम्बेडकर को दिया जाना चाहिए।

हरिभूमि - 15/4/17

कई नए कोर्स हो सकते हैं शुरू

जीजेयू के दूरस्थ शिक्षा विभाग में दिखेंगे बदलाव, वीसी ने बनाई एडवाइजरी कमेटी

जागरण संवाददाता, हिसार : उत्तर भारत में अपनी दूरस्थ शिक्षा को लेकर सिक्का जमा चुकी गुरु जंभेश्ववर विश्वविद्यालय में भविष्य में कई बदलाव दिखेंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति टंकेश्वर कुमार ने एक एडवाइजरी कमेटी बनाई है। स्वयं कुलपति की अध्यक्षता में बनी यह कमेटी दूरस्थ विभाग के कार्यक्षेत्र को बढ़ाने के साथ ही नए कोर्सों के शुरू करने पर विचार करेगी।

कमेटी में ये हैं शामिल

कुलपति के अलावा इस कमेटी में सभी विभागों के डीन, दूरस्थ शिक्षा विभाग के डायरेक्टर महेशचंद्र शर्मा के अलावा कोर्स कोर्डिनेटर भी शामिल हैं। यूजीसी द्वारा जीजेयू के स्टडी सेंटर बंद करने के बाद कई बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। विभाग के विभिन्न कोर्सों के सिलेबस में बदलाव शुरू किया चुका है।

हर चीज की जानकारी मोबाइल पर

विभाग द्वारा दूरस्थ शिक्षा से जुड़े सभी विद्यार्थियों को विभिन्न जानकारियां मोबाइल पर मैसेज के माध्यम से दी जा रही हैं। यह सेवा इसी सत्र से विभाग द्वारा शुरू की गई थी। इसमें डेटशीट, रिजल्ट, असाइनमेंट, प्रेक्टिकल, प्रोजेक्टस, कक्षाओं आदि की जानकारी मैसेज भेजकर दी जाती हैं। विद्यार्थियों को इस तरह की अधिकाधिक जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए भी यह कमेटी सुझाव देगी। यह विद्यार्थियों के लिए अत्यंत सुविधाजनक रहेगा।

सभी कक्षाओं का बदला जाएगा सिलेबस

दूरस्थ शिक्षा विभाग के डायरेक्टर डॉ. योगेश गर्ग ने बताया कि वे डिस्टेंस विभाग के सभी कोर्सों के सिलेबस में बदलाव किया जा रहा है। हम इंडस्ट्री के हिसाब से सिलेबस में बदलाव कर रहे हैं। ताकि विद्यार्थी आज के समय की जरूरत के हिसाब से पढ़ाई कर सकें। कुछ कोर्सों के सिलेबस में सुधार किया जा चुका है। अगर दाखिले का अगला सत्र शुरू होने से पहले ईसी की बैठक हुई तो नया सिलेबस अप्रुव हो जाएगा और अगले सत्र से नया सिलेबस शुरू होगा।

> हमने दूरस्थ शिक्षा विभाग के कार्यक्षेत्र को बढ़ाने के लिए सुझाव हेतु एक एडवाइजरी कमेटी बनाई है। यह कमेटी विभाग के कार्यक्षेत्र विस्तार के साथ साथ इसमें सुधार को लेकर सुझाव देगी। कमेटी नए कोर्सों को शुरू करने पर भी विचार करेगी।
>
> **प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, जीजेयू हिसार।**

दूरस्थ शिक्षा विभाग में ही प्रवेश लेना पड़ा था

एक वर्ष से भी अधिक समय हो गया है। दिसंबर 2016 में यूजीसी ने नियमों का हवाला देते हुए जीजेयू के स्टडी सेंटर्स के माध्यम से दाखिले लेने से इंकार कर दिया था। जिसके बाद प्रदेशभर के करीब 72 प्राइवेट सेंटर्स से विश्वविद्यालय का नाता टूट गया था। इस बार विद्यार्थियों को स्टडी सेंटर के माध्यम से दाखिले न लेकर सीधे विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा विभाग में ही प्रवेश लेना पड़ा था। इससे पहले प्रदेशभर के विद्यार्थी विभिन्न स्थानों पर चल रहे गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के स्टडी सेंटर के जरिये ही प्रवेश लेकर शिक्षा पाते थे। अब इस संबंध में परिवर्तन हो चुका है और इसी परिवर्तन के कारण विद्यार्थी सीधे विश्वविद्यालय के दूरस्थ विभाग में ही दाखिला ले रहे हैं।

दैनिक जागरण - 15/4/17

खराब टायरों और कबाड़ से जीजेयू की सुंदरता बढ़ाएगा निर्माण विभाग

वीसी कार्यालय से लेकर एचएसबी सहित कई स्थानों के पार्कों में लगाए जा चुके हैं टायर

भास्कर न्यूज़ | हिसार

गाड़ियों के पुराने टायर, कबाड़ साइकिल और पुरानी तस्वीरें अब जीजेयू कैंपस की सुंदरता बढ़ाएंगी। इसके लिए प्रशासन ने सभी विभागों के शिक्षक, गैर शिक्षक और विद्यार्थियों से सहयोग की अपील की है। इसके लिए बाकायदा एक सर्कुलर भी जारी किया है। जिसके माध्यम से अपील की गई कि शिक्षक व गैर शिक्षक अपने घरों में रखे पुराने टायर, कबाड़ साइकल और प्रयोग न होने वाली पुरानी तस्वीरें वर्क्स डिपार्टमेंट में अपनी इच्छानुसार जमा करवा सकते हैं। ताकि उनके प्रयोग से जीजेयू की सुंदरता को बढ़ाया जा सके।

टायरों को रंग बिरंगे रंगों से रंगकर उनके बीच के हिस्से में फूलों वाले पौधे लगाए गए हैं। तो कहीं सूखी जड़ों के बीच में डालर उन्हें आकर्षक रूप प्रदान किया गया है। ये रंग बिरंगे टायर जीजेयू के वीसी कार्यालय के सामने बने पार्क से लेकर, हरियाणा स्कूल आफ बिजनेस, ऑडिटोरियम के सामने बने पार्क सहित कई स्थानों पर रखे गए हैं। इन टायरों को हरे, गुलाबी, सफेद, काला, पीला और नीले पेंट से पेंटिंग की गई है।

जीजेयू के पार्कों में सुंदरता के लिए लगाए गए टायर।

"पुराने वेस्ट सामान का बेहतर तरीके से पुनः प्रयोग करने से दूसरों को भी वेस्ट सामान के प्रयोग की प्रेरणा मिलती है। जीजेयू के एसई व उनके स्टाफ ने यह बेहतर कार्य किया है। जीजेयू के शिक्षक, गैर शिक्षक और विद्यार्थी विश्वविद्यालय की सुंदरता को बढ़ाने व कैंपस को स्वच्छ रखने में अपना सहयोग दें।"

प्रो. टंकेश्वर कुमार,
कुलपति, जीजेयू हिसार।

जीजेयू स्टाफ ने एकत्रित किए 150 टायर व कई साइकिलें

जीजेयू प्रशासन ने टायरों से पार्कों की बढ़ने वाली सुंदरता को देखते हुए इस कार्य को प्रोत्साहित किया तो शिक्षक व गैर शिक्षक भी पीछे नहीं रहे। प्रशासन का सहयोग करते हुए जीजेयू की बागवानी शाखा में 150 पुराने कबाड़ टायर जमा करवाए दिये। जीजेयू अधिकारी पालाराम ने बताया कि जेसीबी, ट्रैक्टर व अन्य वाहनों के टायर इसमें शामिल है। जिन्हें रंगों से रंगकर पार्क में रखा जा रहा है। हालांकि यह कार्य कई माह पहले शुरु हुआ लेकिन वह कुछ ही स्थान पर था लेकिन जीजेयू प्रशासन ने इसके उपयोग को सराहा और अब बड़े स्तर पर कार्य को करने का फैसला लिया है। अभी पार्कों में टायरों के माध्यम से सुंदरता को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा जीजेयू में हरियाली को बढ़ाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

दैनिक भास्कर- 16/5/17

आठ स्टूडेंट्स को मिली प्लेसमेंट

हिसार। गुजवि के आठ विद्यार्थियों का चयन अलेम्बिक फार्मास्युटिकल लिमिटेड में हुआ है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के सौजन्य से बी. फार्मेसी के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, फगवाड़ा, पंजाब में संयुक्त कैम्पस प्लेसमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर हर्ष जताया है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया चयनित विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष पैकेज 2.1 लाख रुपये के अतिरिक्त इंसेंटिव तथा भत्ते दिए जाएंगे। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों में उत्कर्ष श्योरान, प्रवीन, दीपक ईसा, नवनीत कुमार, हितेश कुमार, राकेश, संदीप सैनी तथा उमेश कुमार शामिल हैं।

जीजेयू के आठ विद्यार्थियों का चयन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

जीजेयू के आठ विद्यार्थियों का चयन अलेम्बिक फार्मास्युटिकल लिमिटेड में हुआ है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से बी.फार्मेसी के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, फगवाड़ा, पंजाब में संयुक्त कैंपस प्लेसमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कंपनी के अधिकारियों ने विद्यार्थियों की प्रि-प्लेसमेंट टॉक, समूह वार्तालाप तथा अंतिम साक्षात्कार लिया। जिसके आधार पर कंपनी ने विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल विभाग के आठ विद्यार्थियों का चयन किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी। निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि विद्यार्थियों का चयन एग्जीक्यूटिव ट्रेनी के पद पर हुआ है तथा विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष पैकेज 2.1 लाख रुपये के अतिरिक्त इंसेंटिव तथा भत्ते दिए जाएंगे। चयनित विद्यार्थियों को कंपनी द्वारा उत्तर भारत में नियुक्त किया जाएगा। सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों में उत्कर्ष श्योरान, प्रवीन, दीपक इंसा, नवनीत कुमार, हितेश कुमार, राकेश, संदीप सैनी तथा उमेश कुमार शामिल हैं। ये विद्यार्थी कंपनी में इसी वर्ष जून माह में ज्वाइन करेंगे।

अमर उजाला- 18/5/17

भारत के विज्ञान को किया जा रहा है पुनर्जीवित : प्रो टंकेश्वर

25 दिवसीय योग शिविर का समापन, दूसरा चरण 25 से

महाबीर स्टेडियम में आयोजित 25 दिवसीय योग शिविर के समापन पर मौजूद प्रतिभागी व अतिथि।

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

महाबीर स्टेडियम में जारी 25 दिवसीय सह योग प्रशिक्षण शिविर का मंगलवार को समापन हुआ। शिविर के समापन पर बतौर मुख्यातिथि एचएयू के वीसी आरपी सिंह, जीजेयू के वीसी टंकेश्वर कुमार, मेयर शकुंतला राजलीवाल और कुंभाखेड़ा गुरुकुल के संचालक आत्मप्रकाश ने किया।

उनका साथ प्रांतीय प्रभारी ईश आर्य ने दिया। प्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र हिंदुस्तानी नें बताया कि 25 दिन तक चले इस सहयोग प्रशिक्षण शिविर में लगभग 250 योग शिक्षकों को प्रशिक्षित करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र और ग्रंथ श्रीमद्भागवत गीता भेंट की गई। कुलपति प्रो टंकेश्वर ने कहा कि भारत के विज्ञान को पुनर्जीवित किया जा रहा है, जिसमें स्वामी रामदेव की अहम भूमिका है। स्वामी रामदेव के गुरुभाई आचार्य आत्मप्रकाश ने गायत्री मंत्र का उच्चारण किया। हिंदुस्तानी ने बताया कि 25 से फिर से 25 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शुरू किया जाएगा, जो 19 मई तक चलेगा। इस मौके पर सह राज्य महिला प्रभारी पतंजलि योग समिति डॉ. प्रवीन पूनिया, संरक्षिका सत्या सावंत, राज्य कोषाध्यक्ष देवकी नंदन भाटिया, भारत स्वाभिमान के प्रभारी मुकेश कुमार, पतंजलि प्रभारी वीरेंद्र बडाला आदि मौजूद थे।

अमर उजाला - 19/4/17

पहल | जीजेयू में लगे करीब 9 हजार गमलों में पौधों के लिए खरीदनी नहीं पड़ेगी खाद, मई में बनकर तैयार हो जाएगी कंपोस्ट

जीजेयू के हॉस्टलों में बची खाद्य सामग्री से बनेगी खाद

भास्कर न्यूज | हिसार

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने विवि के पौधों में वर्मी कंपोस्ट खाद देने के लिए उसको स्वयं ही बनाना शुरू कर दिया है। इसके लिए विवि में बने हॉस्टलों से बची सब्जी, चावल व अन्य खाद्य सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। इसके लिए बाकायदा नौ बैड भी बनाए जा रहे हैं।

ऐसे में अब आगामी समय में जीजेयू में लगे करीब 9 हजार गमलों के लिए खाद बाहर से खरीदनी नहीं होगी बल्कि जीजेयू में तैयार की गई खाद ही उन पौधों में डाली जाएगी। जीजेयू के बागवानी शाखा ने वर्मी कंपोस्ट खाद तैयार करने के लिए मार्च माह में नौ बैड का निर्माण करवाकर उनमें खाद तैयार की जा रही है। मई माह के शुरुआत तक करीब 4 टन खाद पौधों के लिए तैयार होगी।

साल 2013 में एक बार वर्मी कंपोस्ट खाद तैयार की गई थी। लेकिन इसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया था। खाद की बढ़ती मांग के चलते मार्च 2017 में एक बार फिर से खाद तैयार की गई है। जो अब लंबे समय तक जारी रखी जाएगी।

जीजेयू में बनाए बैड में तैयार हो रही कंपोस्ट खाद।

जीजेयू की बागवानी की मौजूदा स्थिति

पौधे लगे गमलों की संख्या	करीब 9 हजार
वर्मी खाद के बैड	9
तैयार की जा रही है खाद	करीब 4 टन
कर्मचारी तैनात	7 कर्मचारी
1 किलोग्राम का रेट	करीब 5 रुपये
4 टन खाद तैयार करने से बचत	20 हजार रुपए

ऐसे तैयार हो रही है पौधों के लिए खाद

जीजेयू ने मौजूदा समय में खाद तैयार करने के लिए होस्टलों में बचे खाने को आधार बनाया है। होस्टल में बची सब्जी व काटी गई सब्जी का हिस्सा और बचे चावल को खाद के लिए प्रयोग किया जा रहा है। इसके अलावा सूखे झड़ हुए पत्ते खाद तैयार करने में प्रयोग किये जा रहे है। खाद तैयार करने में एचएयू और गौशालाओं से केंचुआ भी लाए जा रहे है। जिनके माध्यम से बेहतर खाद तैयार की जा रही है।

हरियाली को बढ़ावा देने में सराहनीय कार्य

जीजेयू बागवानी शाखा की ओर से हरियाली को बढ़ावा देने के लिए सराहनीय कार्य किया जा रहा है। खाद तैयार होने से समय पर गमलों में खाद मुहैया करवाई जा सकेगी। खाद स्वयं तैयार करेंगे बागवानी स्टाफ को भी काफी सीखने को मिलेगा।"

प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, जीजेयू, हिसार।

अगले माह तक खाद तैयार हो जाएगी

बागवानी शाखा जीजेयू में ही वर्मी कंपोस्ट खाद तैयार कर रही है। अगले माह तक खाद तैयार हो जाएगी। पहले इसे बाहर से खरीदना पड़ता था अब जीजेयू में ही तैयार कर पौधों को समय पर खाद उपलब्ध होगी।"

अशोक अहलावत, अधीक्षक अभियंता, जीजेयू।

दैनिक भास्कर 25/4/17

नए सत्र से विद्यार्थी जीजेयू के होंगे तो पुराने केयू के ही रहेंगे

केयू के कॉलेज अब जीजेयू से जुड़े

भास्कर न्यूज | हिसार

नए सत्र से कालेजों में दाखिला लेने वाले विद्यार्थी कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के विद्यार्थी ना कहलाकर गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस के विद्यार्थी कहलाएंगे। नए सत्र हिसार जिले के सभी प्रकार के कॉलेज जीजेयू से संबद्ध हो जाएंगे। सरकार के इस फैसले हिसार जिले के केयू से संबद्ध रहे करीब 50 कॉलेजों के लगभग 50 हजार विद्यार्थियों को राहत मिलेगी। जीजेयू के तहत अभी तक हिसार, फतेहाबाद व सिरसा जिलों के 15 इंजीनियरिंग कॉलेज आते थे। परंतु मंगलवार को सरकार ने हिसार जिले के सभी प्रकार के कॉलेजों को जीजेयू के तहत कर दिए हैं। इसमें जिले के तमाम बीएड कॉलेज, डिग्री कॉलेज, लॉ कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, फार्मेसी कॉलेज व आर्किटेक्ट कॉलेज शामिल है।

हिसार के सभी बीएड, डिग्री, लॉ, फार्मेसी व इंजीनियरिंग कॉलेज होंगे जीजेयू के अधीन

फिलहाल तक जीजेयू के तहत आने वाले कॉलेजों व कैंपस में पढ़ रहे लगभग 15 हजार विद्यार्थी की थी वहीं अब यह संख्या बढ़कर 50 हजार को पार कर जाएगी। इन विद्यार्थियों की परीक्षाओं से लेकर दाखिले और उत्तरपुस्तिका चेक करने से लेकर मार्कशीट तक जारी करने के कार्य अब कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से न होकर जीजेयू में ही किए जाएंगे। सरकार की ओर से आदेश जारी होने के बाद यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने कॉलेजों के कार्यों को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। वहीं अब यूनिवर्सिटी का दायरा भी पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है।

जीजेयू के तहत अब 15 की बजाए 55 कॉलेज होंगे

14	29	08	01	01	01
डिग्री कॉलेज	बीएड कॉलेज	टेक्नीकल एंड मैनेजमेंट कॉलेज	आर्किटेक्ट कॉलेज	लॉ कॉलेज	फार्मेसी कॉलेज

जीजेयू की लाइब्रेरी का फाइल फोटो।

पुराने विद्यार्थियों को पुरानी यूनिवर्सिटी से ही मिलेगी डिग्री

सरकार का यह फैसला केवल प्रथम वर्ष में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों पर ही लागू होगा जबकि पुराने विद्यार्थी अपनी पहली वाली यूनिवर्सिटी के साथ ही जुड़े रहेंगे। पुराने विद्यार्थियों की डिग्री, परीक्षा व अन्य कार्य पुरानी यूनिवर्सिटी के द्वारा ही किए जाएंगे।

डीन कॉलेजिज विंग होगी मजबूत

जीजेयू के अधिकारियों का कहना है कि नए कॉलेज मिलने के साथ ही अब डीन कॉलेजिज विंग को मजबूत किया जाएगा। अधिक कालेज व अधिक विद्यार्थियों को डील करने के लिए अलग से व्यवस्थाएं की जाएगी ताकि किसी प्रकार की दिक्कत ना हो। बोर्ड ऑफ स्टडी, प्रश्न पत्र व परीक्षाएं आयोजित करवाने के लिए शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मियों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

50 हजार विद्यार्थियों को मिलेगी राहत

सरकार के इस फैसले से जिले के कॉलेजों में पढ़ रहे लगभग 50 हजार विद्यार्थियों को राहत मिलेगी। इन विद्यार्थियों को अब तक अपने-अपने छोटे-छोटे कार्यों के लिए 150 किलोमीटर दूर कुरुक्षेत्र जाना पड़ता था और कई बार तो उन्हें वहां दो-तीन तक ठहराना पड़ता था। वहीं अब अपने कार्यों के लिए जिले से बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

अब डिग्री कॉलेज के ज्यादा विद्यार्थी

जीजेयू की पहचान अभी तक टेक्नोलॉजी और साइंस यूनिवर्सिटी के रूप में रही है। यही कारण है इसके साथ हिसार, फतेहाबाद व सिरसा जिलों के इंजीनियरिंग कॉलेजों को ही जोड़ा गया था। परंतु सभी प्रकार के कॉलेजों के जुड़ने के बाद जीजेयू की यह पहचान बच पाएगी या नहीं कहा नहीं जा सकता क्योंकि टेक्नीकल एंड साइंस के विद्यार्थियों से ज्यादा संख्या अब डिग्री व बीएड कॉलेजों के विद्यार्थियों की होगी।

डिस्टेंस के विद्यार्थियों की भी बढ़ सकती है संख्या

जीजेयू में डिस्टेंस के माध्यम से पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की संख्या भी बढ़ सकती है। फिलहाल जीजेयू में डिस्टेंस के माध्यम से लगभग 25 हजार विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। वहीं अब डिग्री व अन्य कॉलेज आने के बाद डिस्टेंस से पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की संख्या भी बढ़ सकती है। इस सेशन में लगभग 3000 विद्यार्थियों ने डिस्टेंस से दाखिल लिया था।

हिसार जिले के तमाम कॉलेज जीजेयू विश्वविद्यालय के अधीन दिए गए हैं। इन कॉलेजों के तमाम कार्यों के लिए प्रबंध कर लिए गए हैं और विभागों को और मजबूत किया जाएगा। **प्रो. टंकेश्वर**, वीसी, जीजेयू।

दैनिक भास्कर- 19/4/17

जीजेयू के छह विद्यार्थियों का चयन

हिसार। जीजेयू के छह विद्यार्थियों का चयन वेलोसियस लैबस सिस्टम इंटिग्रेशन प्राइवेट लिमिटेड में हुआ है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के एमटेक, बीटेक के विद्यार्थियों के लिए ऑन कैंपस प्लेसमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कंपनी के निदेशक विपिन सोनी व अमित ने 47 विद्यार्थियों का एचआर एवं तकनीकी साक्षात्कार लिया। जिसके आधार पर कंपनी ने विश्वविद्यालय के छह विद्यार्थियों का चयन किया है। इसके अतिरिक्त कंपनी ने औद्योगिक प्रशिक्षण के लिए इसी विभाग के के चार विद्यार्थियों को सूचिबद्ध किया है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि विद्यार्थियों का चयन इंजीनियर के पद पर हुआ है। चयनित विद्यार्थियों को 3.6 लाख रुपये प्रतिवर्ष पैकेज दिया जाएगा। मलिक ने इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डा. संजीव ढुल तथा प्लेसमेंट कोर्डिनेटर डॉ. अजय पूनिया का विद्यार्थियों को तैयार करने व प्रोत्साहित करने के लिए आभार व्यक्त किया है।

गुजवि के पांच छात्रों का कम्पनी में चयन

हरिभूमि न्यूज . हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पांच विद्यार्थियों का चयन एएस पैकर्स पौंटासाहिब में हुआ हैं। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वाधान में प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी के बीटैक चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ऑन-कैम्पस प्लेसमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कंपनी अधिकारी डा. पीके शांडिल व सोनू गुगार ने विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार लिया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों में प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग के राज कुमार, अजय गिल, हैप्पी, कुलदीप व गजेन्द्र व ओम इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट जुगलान के शिंटू शंकर व अजय दांदू शामिल हैं। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यार्थियों का चयन प्रिंटिंग एग्जीक्युटिव के पद पर हुआ है। विद्यार्थी कम्पनी में जून महीने में ज्वाइन करेंगे। प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अम्बरीष पाण्डेय तथा प्लेसमेंट कोर्डिनेटर डॉ. पंकज तिवारी आदि मौजूद थे।

हरि भूमि 22/4/17

गुजवि ने नए सत्र से बीएससी ड्यूल डिग्री कोर्स में 5-5 सीटें बढ़ाईं

जागरण संवाददाता हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय (गुजवि) में नए सत्र के साथ दाखिला प्रक्रिया की तैयारी तेज हो गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन पांच मई से दाखिले के लिए प्रोस्पेक्ट्स वेबसाइड पर अपलोड कर देगा। इस बार बीएससी ड्यूल डिग्री में पांच-पांच सीटों का इजाफा किया गया। छात्रों को कैशलेस फीस भरनी होगी। विश्वविद्यालय की ड्यूल डिग्री कोर्स में बीएससी ऑनर्स फिजिक्स, बीएससी ऑनर्स केमिस्ट्री, बीएससी ऑनर्स मैथेमेटिक्स, बीएससी ऑनर्स बायोटेक्नोलॉजी शामिल हैं।

ये कोर्स विश्वविद्यालय में पिछली वर्ष ही शुरू किए गए थे। इन ड्यूल डिग्री कोर्सों में दाखिला फीस 15 जून तक जमा करवाई जा सकती है। फीस भरने के बाद फॉर्म जमा करवाने की अंतिम तिथि 19 जून रखी गई है। विश्वविद्यालय के डीन अकेडमिक अफेयर प्रोफेसर राजेश मल्होत्रा ने बताया कि दाखिले से संबंधित सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं। पांच मई से विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं।

इन कोर्सों के लिए कर सकेंगे आवेदन

एमटेक इन कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, एमटेक इन इन्वायरमेंट साइंस एंड इंजीनियरिंग, एमटेक इन इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, एमटेक इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग, एमटेक इन प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, एमटेक इन नैनो साइंस एंड टेक्नोलॉजी, एमटेक इन फूड टेक्नोलॉजी, एमटेक इन जीयो इंफोर्मेटिक्स। एमफार्मा फार्मास्यूटिक्ल केमिस्ट्री, एमफार्मा इन फार्मास्यूटिक्स, एमफार्मा इन फार्माकोलॉजी, बेचलर इन फार्मेसी, बैचलर इन फार्मेसी (लीट)। एमसीए, एमसीए (लीट), एमएससी साइकोलॉजी, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, एमएससी माइक्रोबायोलॉजी, एमएससी केमिस्ट्री, एमससी इन्वायरमेंटल साइंस, एमएससी फूड टेक्नोलॉजी, एमससी मॉस कम्युनिकेशन, एमएससी मैथमेटिक्स, एमएससी फिजिक्स, एमएसएसी इकोनोमिक्स, एमबीए, एमबीए फाइनेंस, एमबीए मार्केटिंग, एमबीए इंटरनेशनल बिजनेस, एमकॉम, एमएससी इकोनोमिक्स। मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी के तीन कोर्स और बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी।

सभी कोर्सों में ऑनलाइन भरी जाएगी फीस

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी कोर्सों में आवेदन ऑनलाइन ही किया जा सकेंगे। इसके साथ ही आवेदन फीस भी क्रेडिट या डेबिट कार्ड से ऑनलाइन भरी जाएगी। ऑनलाइन फॉर्म अप्लाई करने के बाद विद्यार्थियों को ऑनलाइन फीस जमा करवानी होगी। इसके बाद फॉर्म की कॉपी को विश्वविद्यालय में जमा करवाना होगा।

अंतिम तिथि22 जून

बीएससी ड्यूल डिग्री कोर्स को छोड़कर सभी कोर्सों में आवेदन करने की अंतिम तिथि 22 जून है। विद्यार्थी 22 जून तक फीस जमा करवा सकते हैं। इसके बाद 23 जून तक फॉर्म को विश्वविद्यालय में जमा करवाया जा सकता है। वहीं बीएससी में 15 जून तक फीस भरने के बाद 19 जून तक फॉर्म जमा होंगे।

बीटेक के अलावा सभी के लिए प्रवेश परीक्षा

विश्वविद्यालय में बीटेक कोर्स को छोड़कर अन्य सभी कोर्स में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। प्रवेश परीक्षा में मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों को दाखिला दिया जाएगा। बीटेक के कोर्सों में हरियाणा स्टेट टेक्नीकल एजुकेशन सोसायटी द्वारा की जाने वाली ऑनलाइन काउंसिलिंग के माध्यम से दाखिले होंगे।

ये हैं ड्यूल डिग्री कोर्स

बीएससी ऑनर्स फिजिक्स	एमएससी फिजिक्स
बीएससी ऑनर्स केमिस्ट्री	एमएससी केमिस्ट्री
बीएससी ऑनर्स मैथमेटिक्स	एमएससी मैथेटिक्स
बीएससी ऑनर्स बॉयोटेक्नोलॉजी	एमएससी बायोटेक्नोलॉजी

हम 5 मई को वेबसाइट पर प्रोस्पेक्ट्स अपलोड कर देंगे। जिसके बाद प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। बीएससी में विद्यार्थियों के बढ़ते रूझान को देखते हुए हमने इस बार चारों कोर्सों में पांच-पांच सीटें बढ़ाई हैं।

प्रो. राजेश मल्होत्रा, डीन अकेडमिक अफेयर, गुजवि

प्रेरणा कार्यक्रम में अंतिम वर्ष के **35 स्वयंसेवकों** को जीजेयू के कुलपति ने किया सम्मानित

सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने से होता है छात्रों के व्यक्तित्व का विकास

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी आगे आना चाहिए और समाज व राष्ट्र के विकास में योगदान देना चाहिए। प्रो. टंकेश्वर कुमार शुक्रवार को विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से आयोजित प्रेरणा- 2017 कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

एनएसएस की ओर से आयोजित प्रेरणा-2017 कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को प्रमाणपत्र देते जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। • जागरण

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्वयंसेवकों को कहा कि सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने से विद्यार्थियों में व्यक्तित्व का विकास होता है। पढ़ाई के साथ- साथ सामाजिक भागीदारी जरूरी है। इससे विद्यार्थियों में न केवल सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, बल्कि पहचान भी मिलती है। उन्होंने स्वयंसेवकों द्वारा बनाई डॉक्युमेंट्री को देखकर स्वयंसेवकों के समाज के लिए किए गए कार्यों को सराहा। कुलपति ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र भी दिए।

राष्ट्रीय सेवा योजना की समन्वयक प्रो. सुजाता सांघी ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस वार्षिक कार्यक्रम प्रेरणा में अंतिम वर्ष के 35 स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश भी दिया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कश्मीरी लाल ने धन्यवाद प्रस्ताव व अनिल व सुलक्षणा ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर चीफ वार्डन गर्ल्स प्रो. सोनिका, डिप्टी चीफ वार्डन डॉ. विकास, प्रोक्टर प्रो. संदीप राणा, डीन एफपीएस प्रो. देवेन्द्र मोहन, प्रो. आशीष अग्रवाल, खेल निदेशक डॉ. एसबी. लुथरा, युवा कल्याण निदेशक अजीत सिंह, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद शर्मा, कुलपति के सचिव मुकेश कुमार, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार, डॉ. सुमन दहिया तथा डॉ. बिजेन्द्र पाल व स्वयंसेवक मौजूद रहे।

दैनिक जागरण 29/4/17